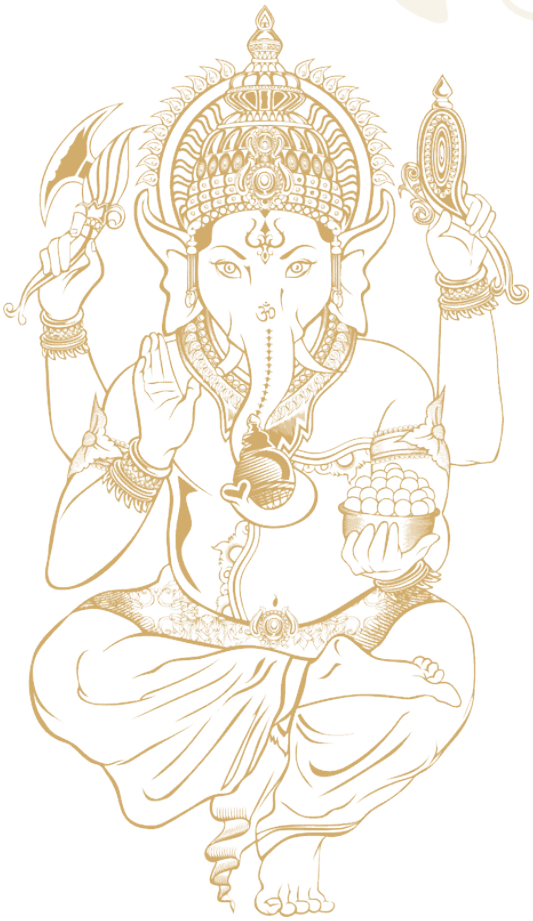

Ms.

29 Sep 1999

10:09 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121654303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/09/1999**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:09:00 घंटे**
इष्ट	09:50:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:47:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:27 घंटे
साम्पातिक काल	10:17:54 घंटे
सूर्योदय	06:12:49 घंटे
सूर्यास्त	18:10:03 घंटे
दिनमान	11:57:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:44:56 कन्या
लग्न के अंश	01:58:24 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:58:24	306:48:53	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			कन्या	11:44:56	00:58:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	सम राशि
चंद्र			वृष	02:05:59	14:31:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			वृश्चि	23:32:12	00:41:20	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	स्वराशि
बुध			कन्या	27:03:50	01:33:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		मेष	09:10:02	00:06:22	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	00:33:38	00:34:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:32:50	00:03:01	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	17:35:15	00:05:49	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	17:35:15	00:05:49	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:14:58	00:01:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:47:56	00:00:29	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:20:57	00:01:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:39:07	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

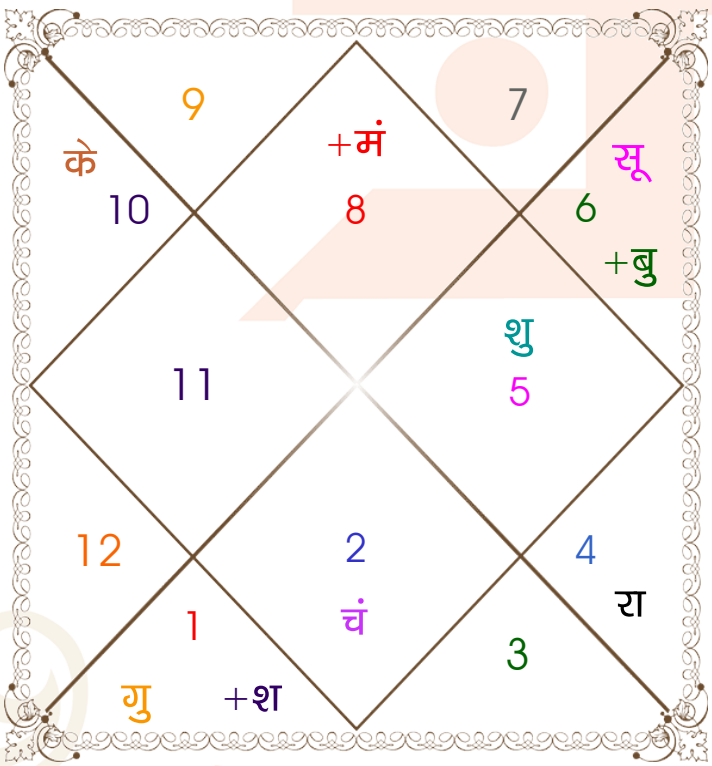

चन्द्र कुंडली

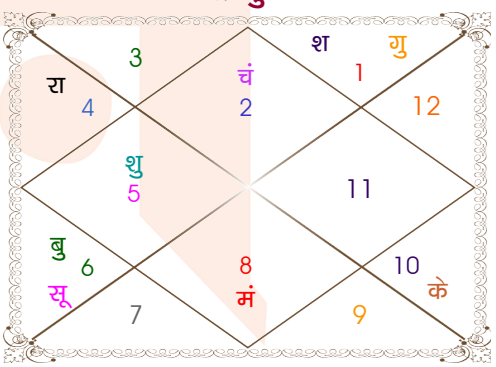

नवमांश कुंडली

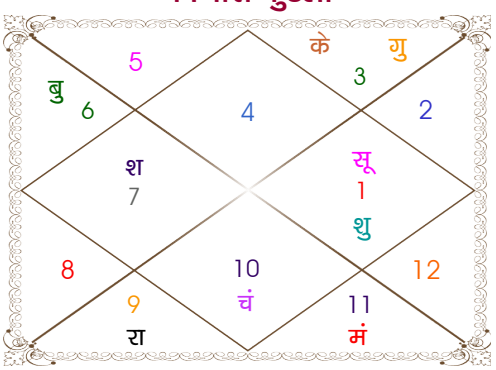

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 6 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/09/1999		19/04/2003		19/04/2013		19/04/2020		19/04/2038	
19/04/2003		19/04/2013		19/04/2020		19/04/2038		19/04/2054	
	00/00/0000	चंद्र	18/02/2004	मंगल	15/09/2013	राहु	31/12/2022	गुरु	06/06/2040
	00/00/0000	मंगल	18/09/2004	राहु	04/10/2014	गुरु	25/05/2025	शनि	19/12/2042
	00/00/0000	राहु	20/03/2006	गुरु	09/09/2015	शनि	31/03/2028	बुध	26/03/2045
	29/09/1999	गुरु	20/07/2007	शनि	18/10/2016	बुध	19/10/2030	केतु	01/03/2046
गुरु	24/02/2000	शनि	17/02/2009	बुध	16/10/2017	केतु	06/11/2031	शुक्र	30/10/2048
शनि	05/02/2001	बुध	19/07/2010	केतु	14/03/2018	शुक्र	06/11/2034	सूर्य	19/08/2049
बुध	12/12/2001	केतु	18/02/2011	शुक्र	14/05/2019	सूर्य	01/10/2035	चंद्र	19/12/2050
केतु	19/04/2002	शुक्र	18/10/2012	सूर्य	19/09/2019	चंद्र	01/04/2037	मंगल	25/11/2051
शुक्र	19/04/2003	सूर्य	19/04/2013	चंद्र	19/04/2020	मंगल	19/04/2038	राहु	19/04/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/04/2054		19/04/2073		19/04/2090		19/04/2097		20/04/2117	
19/04/2073		19/04/2090		19/04/2097		20/04/2117		00/00/0000	
शनि	22/04/2057	बुध	16/09/2075	केतु	15/09/2090	शुक्र	19/08/2100	सूर्य	08/08/2117
बुध	31/12/2059	केतु	12/09/2076	शुक्र	15/11/2091	सूर्य	20/08/2101	चंद्र	06/02/2118
केतु	08/02/2061	शुक्र	14/07/2079	सूर्य	22/03/2092	चंद्र	20/04/2103	मंगल	14/06/2118
शुक्र	10/04/2064	सूर्य	19/05/2080	चंद्र	21/10/2092	मंगल	20/06/2104	राहु	09/05/2119
सूर्य	23/03/2065	चंद्र	19/10/2081	मंगल	19/03/2093	राहु	20/06/2107	गुरु	30/09/2119
चंद्र	22/10/2066	मंगल	16/10/2082	राहु	07/04/2094	गुरु	18/02/2110		00/00/0000
मंगल	01/12/2067	राहु	04/05/2085	गुरु	14/03/2095	शनि	20/04/2113		00/00/0000
राहु	07/10/2070	गुरु	10/08/2087	शनि	22/04/2096	बुध	19/02/2116		00/00/0000
गुरु	19/04/2073	शनि	19/04/2090	बुध	19/04/2097	केतु	20/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।